हिम तेंदुआ, या स्नो लेओपार्ड, या अंस (लैटिन में: Panthera uncia, पूर्व में - लैटिन में: Uncia uncia) - मध्य एशिया के पहाड़ों में रहने वाला फेलाइन फैमिली का विशाल मांसाहारी स्तनपायी। वह अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की रेड लिस्ट (IUCN की सन् 2000 की रेड लिस्ट) में "विलुप्त होने की कगार पर" की श्रेणी में दर्ज है।

रूस और पुरे विश्व में हिम तेंदुए के रहने के क्षेत्र की उत्तरी सीमा "सयानो-शुशेंस्की" प्रकृति अभ्यारण्य है।

हिम तेंदुआ नज़रों से ओझल और छुपकर रहना पसंद करता है, इसलिए उसे "स्नो घोस्ट" भी कहते हैं।

"सयानो-शुशेंस्की" प्रकृति अभ्यारण्य

सयानो-शुशेंस्की राज्य प्राकृतिक बायोस्फीयर अभ्यारण्य सयानो-शुशेंस्की जलाशय के प्रभाव क्षेत्र में येनिसी नदी के बाएं किनारे पर क्रास्नोयार्स्क क्षेत्र के दक्षिण में पश्चिमी सायन के दुर्गम क्षेत्र में स्थित है। सन् 1985 से, अभ्यारण्य को यूनेस्को बायोस्फीयर अभ्यारण्य की प्रणाली में शामिल किया गया है। अभ्यारण्य का क्षेत्रफल 3904 वर्ग किमी है।

जीव-जंतु की दुनिया समृद्ध और विविध है, अभ्यारण्य में रशियन फेडरेशन की रेड लिस्ट में शामिल 38 प्रजातियाँ और क्रास्नोयार्स्क क्षेत्र की रेड लिस्ट में शामिल 195 प्रजातियाँ रहती हैं।

हमारा पता: 662710, क्रास्नोयार्स्क क्षेत्र, शुशेंस्कोए सेटलमेंट, ज़पोवेदनया मार्ग, 7.

☎ 8 (39139) 3-18-81, e-mail: zapoved7@yandex.ru,
www: sayanzapoved.ru

तैयारकर्ता और अनुवादक: ऑस्कर टॉर्नक्विस्ट (Oskar Tornqvist),
फोटो: रोमान अफनास्येव, सर्गेय चुमकोव, अभ्यारण्य के फोटोग्राफर
प्रकाशन "नेचर रिवाइवल" फाउंडेशन के स्पोर्ट के साथ किया गया है

रशियन फेडरेशन के पर्याकृतिक संसाधन और पर्यावरण मंत्रालय, "सयानो-शुशेंस्की" अभ्यारण्य और "शुशेंस्की बोर" राष्ट्रीय उद्यान का संयुक्त निदेशालय

САЯНО-ШУШЕНСКИЙ

"सयानो-शुशेंस्की" अभ्यारण्य - हिम तेंदुआ क्षेत्र

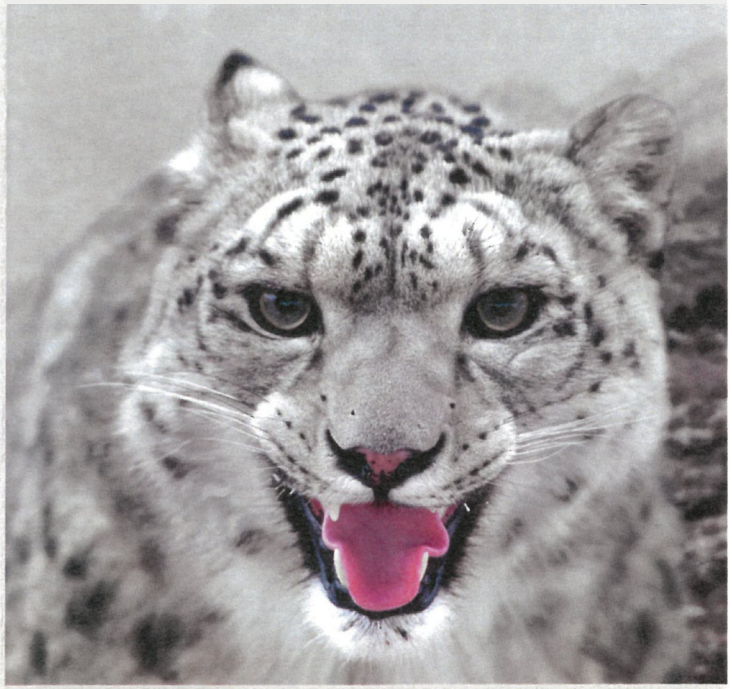

विशेष रूप से संरक्षित पर्याकृतिक क्षेत्रों की फ़ेडरल सिस्टम

MaB

रिज़र्व का क्षेत्र पहाड़ी है, चोटियों की ऊँचाई 500 से 2735 मीटर तक है। यह हिम तेंदुए के रहने की अनूठी जगह है, क्योंकि यह दुनिया भर में हिम तेंदुए समुद्र तल से 1500 मीटर से ऊपर ही की जगहों पर पाए जाते हैं। अंस का शरीर कठोर पर्यावरणीय परिस्थितियों के अनुकूल होता है और इसलिए वह समुद्र तल से 6000 मीटर तक की ऊँचाई पर रह सकता है।

घना फर उसे ठंड से बचाता है, और पंजे चौड़े होने से उसे बर्फ की परतों पर चलने में आसानी होती है।

अभ्यारण्य का अधिकांश क्षेत्र वनों से ढका हुआ है। उन वनों में सबसे मूलयवान पेड़ है साइबेरियाई देवदार। देवदार वनों का क्षेत्रफल 1000 वर्ग किमी से अधिक है।

हिम तेंदुआ अकेले, छिपकर या घात लगाकर शिकार करता है। जब शिकार तक की दूरी कुछ दर्जन मीटर रह जाती है, हिम तेंदुआ अपनी छिपने की जगह से बाहर कूदता है और तेज़ी से 6-7 मीटर की छलांग लगाकर उसे पकड़ लेता है। पहली बार में पकड़ न पाने पर वह शिकार का पीछा अधिक से अधिक 300 मीटर तक करता है, या फिर करता ही नहीं। सयानो-शुशेंस्की अभ्यारण्य में हिम हिम तेंदुए अधिकतर साइबेरियाई पर्वतीय बकरे, कस्तूरी मृग, रो हिरण, मर्मोट्ट, खरगोश और अल्ताई स्नोकॉक का शिकार करते हैं। अपने मांस आहार के अलावा हिम तेंदुए पौधों के हरे भागों और घास भी खा लेते हैं, लेकिन केवल गर्मियों में।

संभोग के मौसम और मादा द्वारा शावकों को पालने की अवधि को छोड़कर हिम तेंदुआ अकेला ही करता है। नर अपने शावकों के पालन-पोषण में भाग नहीं लेता, लेकिन आस-पास बना रहता है।

पश्चिमी सायन में हिम तेंदुओं की संख्या के लिए मुख्य खतरा कस्तूरी मृग की लूप हंटिंग है। कस्तूरी मृग को पकड़ने के लिए लगाए जाने वाले लूप्स में दूसरे जानवर भी आ जाते हैं, हिम तेंदुआ भी।

सयानो-शुशेंस्की अभयारण्य में फ़ेडरल प्रोग्राम "स्नो लेपर्ड - पश्चिमी सायन का जीवित प्रतीक" लागू किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत वैज्ञानिक अनुसंधान और पर्यावरण-सुरक्षा से सम्बंधित कार्य किए जाते रहते हैं।

सन् 2023 तक के डाटा के अनुसार, अभयारण्य में 9 हिम तेंदुए रहते हैं। वे लगातार कैमरा ट्रैप में दीखते रहते हैं, और कभी-कभी अभयारण्य के कर्मचारी हिम तेंदुओं को अपनी आँखों से भी देख लेते हैं।